

प्रोजेक्ट 17A: INS हमिगिरी और INS उदयगिरी

स्रोत: IE

दो उन्नत प्रोजेक्ट 17A मल्टी-मिशन स्टीलथ फ्रिगट, INS उदयगिरी और INS हमिगिरी को नौसेना में शामिल किया गया है, जो भारत के नौसैनिकी आधुनिकीकरण में एक महत्वपूर्ण कदम है।

- **प्रोजेक्ट 17A:** P17A जहाजों में अपने P17A (शिवालिक) वर्ग की तुलना में उन्नत स्टीलथ क्षमताएँ हैं, जिनमें पतवार (हुल) डिज़ाइन और हथियार प्रणालियों में सुधार शामिल है।
 - डिज़ाइन में 'स्टेट ऑफ़ द आर्ट' हथियार और सेंसर शामिल हैं, जिनमें सुपरसोनिक सतह-से-सतह मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह-से-हवा मार करने वाली मिसाइलें और रैपिड-फायर क्लोज़-इन वेपन सिस्टम शामिल हैं।
 - ये मल्टी-मिशन फ्रिगट्स 'ब्लू वाटर' वातावरण में संचालन के लिये डिज़ाइन किये गए हैं, जिसका अर्थ है कि वे भारत के समुद्री हितों के भीतर पारंपरिक और अपारंपरिक दोनों प्रकार के खतरों से निपट सकते हैं।
 - एक एकीकृत प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली (IPMS) भी स्थापित की गई है, जो जहाज की कार्यक्षमता और क्रू समन्वय को अनुकूलित करने के लिये है।
- **INS हमिगिरी:** पहला P-17A स्टीलथ फ्रिगट, जिसे गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) द्वारा विकसित किया गया है।
- **INS उदयगिरी:** दूसरा P-17A स्टीलथ फ्रिगट, जिसे मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) द्वारा विकसित किया गया है और यह नौसेना के वारशिप डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा डिज़ाइन किया गया 100वाँ जहाज भी है।
- **क्षमताएँ:** ब्रह्मोस मिसाइल, बराक-8 मिसाइल, LRSAM, टॉरपीडो, रॉकेट लॉन्चर, उन्नत राडार और शक्ति इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट से सुसज्जित।
- **विरासत:** दोनों जहाजों के नाम पहले के INS उदयगिरी(1976) और INS हमिगिरी(1974) के ऐतिहासिक नामों को पुनर्जीवित करते हैं, जिन्होंने ऑपरेशन पवन, ऑपरेशन कैक्टस, ऑपरेशन सहायता और अन्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

और पढ़ें: [प्रोजेक्ट 17A फ्रिगट हमिगिरी](#)